(ख) और (ग) वित्तीय वर्ष 1986-87 के दौरान ग्रामीण और लघु उद्योग क्षेत्र द्वारा किये गये उत्पादन के मूल्य निर्यातों और रोजगार के अनुमान संलग्न विवरण में दिये गये हैं। [देखिये परिशिष्ट 148, अनुबंध संख्या 90]। पूंजी निवेश के आंकड़े नहीं रखे जाते।

(घ) ग्रामीण और और लघु उद्योगों के संवर्धनार्थ अनेक अभ्युपाय किये गए हैं जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं- संस्थानात्मक सहायता का प्रावधान तथा प्रोत्साहन और रियायतें देना जैसे राजकोषीय और वित्तीय लाभ सामान्य सुविधा सेवाएं तथा प्रशिक्षण, विपणन सहायता कच्चे माल हेतु सहायता, डिजाइन और तकनीकी, परामर्श और जांच कार्य संबंधी सुविधाएं।

योजना व्यय और सरकारी क्षेत्र के उपक्रम

2059. श्री राम चरित्र राय :
श्री राम जेठमलानी :

क्या **उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सातवीं पंचवर्षीय योजनावधि के दौरान सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों के उद्योगों का योजना व्यय स्वीकृत व्यय से बढ़ जाने की संभावना है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(ग) इस अतिरिक्त व्यय के क्या कारण हैं और क्या सरकार ने इस अतिरिक्त व्यय का वर्गीकरण किया है यदि हां, तो प्रशासनिक मुद्दों उत्पादन लागत और परिवहन और रख-रखाव आदि जैसी विभिन्न मदों पर होने वाले संभावित व्यय का अलग-अलग ब्यौरा क्या है ?

उद्योग मंत्री (श्री जे० वेंगल राव) : (क) से (ग) चूंकि सातवीं पंचवर्षीय योजना 31-3-1990 को समाप्त होगी, इसलिये इतनी जल्दी यह बताना कठिन है कि क्या सरकारी क्षेत्र के उद्यमों का योजनागत व्यय स्वीकृत परिव्यय से अधिक होगा।

बिजली की वार्षिक आवश्यकता और उत्पादन

2060. **श्री राम जेठमलानी :**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या **ऊर्जा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने देश में एक साल में बिजली की कुल संभावित खपत का अनुमान लगाया है ;

(ख) यदि हां, तो चालू वित्तीय वर्ष 1988-89 में देश में बिजली की कुल कितनी आवश्यकता होगी और इस आवश्यकता को पूरा करने के लिये बिजली उत्पादन की औसत वार्षिक दर क्या रही है ;

(ग) क्या सरकार ने इस वर्ष के दौरान अतिरिक्त बिजली उत्पादन के लिये कोई लक्ष्य निर्धारित किया है ; और

(घ) यदि हां, तो उसकी मात्रा कितनी है और चालू वर्ष की प्रथम छमाही में कितनी अतिरिक्त बिजली का उत्पादन किया जा चुका है ?

ऊर्जा मंत्रालय में विद्युत विभाग में राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) : (क) और (ख) वर्ष 1988-89 के दौरान, ऊर्जा की अनुमानित मांग 229000 मिलियन यूनिट होगी जब कि इसकी उपलब्धता 209070 मिलियन यूनिट होगी।

(ग) जी, हां।